FIR Logged Matter

हत्या का प्रयास करने वाले ने छेड़ा बालिका को

न्यायसाक्षी@रायगढ़। चक्रधरनगर के ग्राम टारपाली की 16 वर्षीय बालिका ने कल परिजनों के साथ थाना चक्रधरनगर आकर गांव के विजय उरांव के विरूद्ध छे?खानी करने की रिपोर्ट दर्ज करायी है। कल दोपहर12 बजे बालिका अपनी बड़ी बहन के साथ घर पर थी, इसके पिता काम पर गए थे तथा मां नहाने तलाब गई हुयी थी। दोपहर सोने से पहले बालिका घर के दरवाजा बंद करने गई तो दरवाजे के पास गांव का विजय उरांव खड़ा था, उसने दरवाजा बंद कर देता हूं कहकर बालिका को पकड़ने लगाए बालिका ने शोर मचाया तो उसकी बड़ी बहन आ गई जिसे देख वह भाग गया, बालिका ने घटना की जानकारी माता-पिता को देते हुए चक्रधरनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई रिपोर्ट पर धारा 354 भादंवि 8 पाक्सो एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपी विजय उरांव पूर्व में हत्या के प्रयास के मामले में जेल में निरूद्ध था, घटना बाद विजय उरांव फरार है, जिसकी पतासाजी की जा रही है।

आयोग ने की कुनकुनी जमीन घोटाले की जांच शुरू कई मामले आये सामने

न्यायसाक्षी@रायगढ़। रायगढ़ जिले में आदिवासी जमीन के हुये फर्जीवाड़े की जांच में रायगढ़ आये अजजा राष्ट्रीय आयोग की टीम ने खरसिया विधानसभा के कुनकुनी के घोटाले के दस्तावेज जिला प्रशासन से तलब किये हैं तथा पीडितो से मिलने गांव पहुंचे। दो अरब से भी अधिक मूल्य की जमीनों की खरीदी बिक्री मामले में पहले आयोग को शिकायते मिली थी, जिस पर आयोग ने रायगढ़ के कलेक्टर अलरमेल मंगईडी और पुलिस अधीक्षक मीणा को दिल्ली तलब किया था। आयोग के निर्देश खरसिया पुलिस ने एफ आई आर दर्ज की थी। कल देर रात आयोग के सदस्य हर्षद भाई चुत्रीलाल वासवा तथा संचालक के.डी.बंसोर संचालक, आर.के.दुबे सहायक संचालक, एस.के.शुक्ला सलाहकार एवं सत्यदेव शर्मा मानद सलाहकार ने सर्किट हाउस में रायगढ़ जिले के कई संगठनों से मुलाकात की और जमीनों की खरीदी बिक्री में हुए फर्जीवाडे की शिकायतें सुनी। कुनकुनी जमीन घोटाले को लेकर लंबे समय से गांव वाले संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन कुछ नहीं हुआ अब नंदकुमार साय के अजजा राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से यह मामला एक बार फिर से सुर्खियों में हैं इसके अलावा डुमरपाली कोलवासरी का मामला भी विवादों में बड़े रसुखदारों से जुड़ा मामला होने से गरीब आदिवासियों को कोई बहुत ज्यादा उम्मीद तो नहीं है कि उनकी जमीन वापस मिल ही जायेगी लेकिन फिर भी अब मामला आयोग के पास पहुंचा है तो कुछ तो होने की आशा लोगों में जागी है। इतने साल के संघर्ष मे शिकायत कर्ता जयलाल राठिया की मौत हो चुकी है कारण घोटाले में भाजपा मंत्रियों व नेताओ की संलिप्ता से लोगो का आयोग ही एक सहारा बचा है जो कुछ कर सकता हैं।

राजनीतिक दलों की बैठकों व मुलाकातों का दौर जारी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति चुनाव के लिए हलचल तेज हो गई है। भाजपा और विपक्षी दलो का एक दूसरे के प्रत्याशियों की टोह ली जा रही है, लेकिन अभी तक राजग या यूपीए का कोई प्रत्याशी सामने नहीं आया है। जबकि नामांकन प्रक्रिया के तहत अब तक 16 ऐसे लोगों के नामांकन दाखिल किये जा चुके है, जिनका चुनाव मैदान में आने से पहले ही पर्चे निरस्त होना तय है। राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए नामांकन पत्र 28 जून तक भरे जाने हैं और 29 जून को इनकी जांच होगी। इसके लिए 17 जुलाई को मतदान होना है। उधर देश के राष्ट्रपति के चुनाव को लेकर सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव एक बार फिर आमने-सामने आ गए हैं। मुलायम जहां अब खुलकर एनडीए के पक्ष में हैं, वहीं अखिलेश की राय जुदा है। बता दें कि अगले राष्ट्रपति चुनने को लेकर चुनाव अगले महीने होने जा रहा है। इस बाबत तमाम दल अपने-अपने समीकरण बनाने में लगे हैं। अभी तक कहीं से भी किसी भी उम्मीद वार का नाम सामने नहीं आया है।

पासवान से मिले नायडू : केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एम वेंकैया नायडू ने केन्द्रीय मंत्री एवं लोक जनशक्ति पार्टी के प्रमुख राम विलास पासवान से मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि दोनों नेताओं ने राष्ट्रपति पद के चुनाव के संबंध में चर्चा की। पासवान हृदय रोग का उपचार के बाद लंदन से आए हैं। वह सीने में तकलीफ की शिकायत के बाद आपरेशन कराने के लिए इंगलैंड गए थे। एक जून को उनके हृदय का आपरेशन किया गया था।

23 जून से पहले घोषित होगा राजग का उम्मीदवार

भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार पर आम सहमति बनाने के लिए केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अरुण जेटली और नायडू की एक समिति का गठन किया है। ये नेता देश भर में सभी राजनीतिक दलों के नेताओं से मिल रहे हैं। पासवान से मुलाकात के बाद नायडू ने कहा कि राष्ट्रपति पद के चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार की घोषणा 23 जून से पहले कर दी जाएगी। ऐसा माना जा रहा है सत्ता पर काबिज एनडीए 20 जून को राष्ट्रपति उम्मीदवार के नाम की घोषणा कर सकती है। यूपीए ने भी इसको लेकर काफी तेजी दिखाई है। यूपीए ने इसको लेकर अन्य विपक्षी दलों के साथ बैठक की है लेकिन किसी नाम पर सहमति नहीं बन पायी है।

राजग को समर्थन देंगी सपा-मुलायम : राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव द्वारा किए गए ऐलान के बाद समाजवादी पार्टी में फिर से कलह मचने की आशंका बढ़ गई है। गृहमंत्री राजनाथ सिंह और सूचना एवं प्रसारण मंत्री वेंकैया नायडू ने शुक्रवार को इस मसले पर मुलायम सिंह यादव से मुलाकात कर बातचीत की थी। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह द्वारा गठित पैनल के सदस्य विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं से मुलाकात करके राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार पर एक राय बनाने की कोशिश कर रहे हैं। यूपी के पूर्व सीएम और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव को दरकिनार कर मुलायम सिंह यादव ने ऐलान किया कि समाजवादी पार्टी राष्ट्रपति चुनाव में राजग के उम्मीदवार को समर्थन देगी। हालांकि मुलायम ने इसके साथ एक शर्त भी जोड़ी है कि उम्मीदवार सभी द्वारा स्वीकार्य व कट्टर भगवा चेहरा नहीं होना चाहिए।

कांग्रेस की बढ़ेगी मुसीबतः मुलायम सिंह यादव के राष्ट्रपति के चुनाव में एनडीए उम्मीदवार के समर्थन की बात से कांग्रेस को झटका लग सकता है। अखिलेश यादव विपक्ष के समर्थन वाले उम्मीदवार को समर्थन दे सकते है। ऐसा होने की स्थिति में पिता-पुत्र के बीच टकराव फिर देखने को मिल सकता है।

आडवाणी का सामने आया दांव : राष्ट्रपति चुनाव को लेकर जहां सरकार और विपक्ष में ठनी हुई है वहीं पार्टी के अंदर खाते भी भाजपा दबाव में हैं। हालांकि केंद्र सरकार और विपक्ष ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए किसी उम्मीदवार के नाम पर पत्ते नहीं खोले हैं लेकिन फिर भी अटकलों का बाजार गर्म है कि दोनों तरफ से कोई चौंकाने वाला नाम ही सामने आएगा। दूसरी तरफ भाजपा के पितामह लालकृष्ण आडवाणी ने इसके लिए नया दांव खेला है। उन्होंने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दबाव बनाने के लिए पोस्टरबाजी के जरिए अपनी दावेदारी फिर से पेश कर दी है। यह पोस्टरबाजी आज दिल्ली में सुर्खियों में हैं। मसलन दिल्ली के प्रमुख स्थानों पर लालकृष्ण आडवाणी की बड़ी तस्वीर के साथ एक बड़ा पोस्टर लगाया गया है। इसमें लिखा है कि भाजपा के जनक, लोह पुरुष तथा भारत की राष्ट्रीय राजनीति के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी राष्ट्रपति पद के सबसे उपयुक्त उम्मीदवार हैं। इसमें निवेदक के रूप में अशोक तंवर का नाम और फोटो लगी है। अशोक तंवर खुद को गुर्जर समाज के संयोजक एवं किसान नेता बता रहे हैं।

बिना अनुमति नहीं लग सकते पोस्टर : सूत्रों के मुताबिक आडवाणी या उनके करीबियों की अनुमति के बगैर इतना बड़े स्तर पर पोस्टर नहीं लगाए जा सकते। वहीं कुछ दिन पूर्व भाजपा के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने आडवाणी को राष्ट्रपति पद के लिए सबसे योग्य बताया था। वहीं सुषमा स्वराज और मोहन भागवत ने खुद को राष्ट्रपति उम्मीदवारी की दौड़ से बाहर कर लिया है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी का पांच साल का कार्यकाल 24 जुलाई को खत्म हो रहा है।

विपक्ष को सीधे उम्मीदवार का नाम बताएगी भाजपा : राष्ट्रपति चुनाव के लिए राजनीति गलियारे में हलचल के बीच भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने संकेत दिए हैं कि अब विपक्षी कांग्रेस तथा वामदलों के पास राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रत्याशियों के नाम सुझाने का संभवतः कोई मौका नहीं बचा है। शाह ने कहा कि पार्टी के नेतृत्व वाली मोदी सरकार के दो मंत्रियों राजनाथ सिंह तथा एम. वेंकैया नायडू जब विपक्षी दलों के पास पहुंचे थे उनके पास कोई नाम पहले से तय नहीं थे। शाह ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन राष्ट्रपति पद के लिए प्रत्याशी का नाम अपने आप तय करेगा।

विस्फोट के बाद मकान ढहने से एक की मौत, 5 घायल

कन्नौज। इत्रनगरी कन्नौज में आज सुबह एक मकान विस्फोट के बाद जमींदोज हो गया। जिससे एक की मौत हो गई जबकि पांच घायल हैं। घायलों में तीन बेहद गंभीर हैं। कन्नौज के छिबरामऊ थानांतर्गत कांशीराम कालोनी की ब्लाक संख्या 39 के तीसरे माले पर सुबह अचानक कमरे के अंदर विस्फोट हो गया। वह विस्फोट इतना तेज था कि आसपास के मकान भी हिल गए। विस्फोट के बाद मकान ढह गया। आसपास लोगों में भगदड़ मच गई। उपचार के दौरान गम्भीर घायल नीरज पुत्र बबलू निवासी बरबटपुर की मौत हो गई। कांशीराम कालोनी का यह मकान बबलू पुत्र कालीचरन निवासी बारबटपुर के नाम आवंटित है। लोगों ने बताया कि कालोनी में बबलू के परिवार के अलावा कुछ लोग किराए पर भी रहते थे। इनकी गतिविधियां संदिग्ध थीं। विस्फोट में बबलू पुत्र कालीचरन, ऋषि पाल पुत्र रामबाबू निवासी कायमगंज फरुखाबाद, सचिन उर्फ आलोक पुत्र हाकिम सिंह, नीरज पुत्र बबलू, अमित पुत्र गिरीश चन्द्र निवासी छिबरामऊ और पड़ोसी महिला सत्यवती घायल हो गई। बताया जा रहा कि मकान के तीसरी मंजिल पर अवैध पटाखे बनाने का काम होता था। माना जा रहा है विस्फोट पटाखा बनाने के लिए रखे गए बारूद में विस्फोट हुआ है। सीओ सोमेंद्र कुमार नेगी ने बताया कि विस्फोटक से धमाका हुआ है। पड़ोसियों ने कुछ संदिग्धों के होने की आशंका जताई है। पड़ोसियों ने कुछ संदिग्धों को यहां से निकलते देखा है। जांच की जा रही है।

कृषि ऋणमाफी से सीमांत किसानों को नहीं मिलेगी राहत?

नई दिल्ली। किसानों के देशव्यापी असंतोष से निबटने के लिए यदि राज्य सरकारें कृषि ऋण माफी का रास्ता चुनती हैं तो सरकारी खजाने पर तीन लाख दस हजार करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ आएगा तथा सेठ साहूकारों से कर्ज लेने वाले देश के दो करोड़ 21 लाख सीमांत किसानों को इसका कोई फायदा नहीं मिलेगा। सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र से जुडे मुद्दों का अध्ययन करने वाली गैर सरकारी संस्था इंडियास्पेंड की ताजा रिपोर्ट में यह बात कही गयी है। इसके अनुसार उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र सरकारों के क्रमश 36359 करोड़ और 30 हजार करोड़ रुपए की ऋण माफी घोषणा के साथ ही पंजाब, हरियाणा, तमिलनाडु, गुजरात, मध्यप्रदेश और कर्नाटक में भी किसानों ने कर्ज माफी की मांग तेज कर दी है। सरकारें अगर इस मांग को मान लेती हैं तो भी किसानों की समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। रिपोर्ट के अनुसार देश में कुल किसान आबादी का 67.5 प्रतिशत छोटे सीमांत किसान है जिन्हें कर्ज माफी से कोई फायदा मिलने की उम्मीद नहीं है। देश की खेतिहर जमीन में से 85 फीसदी खेतों की जोत दो हेक्टेयर से भी कम है। कृषि मंत्रालय के आंकडों के अनुसार वर्ष 1951 के बाद से गांवों में प्रति व्यक्ति भूमि स्वामित्व में लगातार कमी आई है। आगे इसके और घटने के आसार हैं। इन छोटे छोटे खेतों में काम करने वाले किसानों की आर्थिक स्थिति इतनी बदहाल है कि वह खेती के लिए नए उपकरण नहीं खरीद पाते। उन्हें खेतों में श्रमिकों से ही काम चलाना पड़ता है। इससे एक तो उत्पादन घटता है, दूसरा लागत ज्यादा आती है और मुनाफा भी कम होता है। इन छोटे किसानों के लिए संस्थागत ऋण हासिल करने के अवसर सीमित रह जाते हैं। रिपोर्ट के अनुसार देश में हर तीन में से एक सीमांत किसान ही संस्थागत ऋण हासिल कर पाता है। लिहाजा बाकी को कर्ज के लिए साहूकारों पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे में जिन आठ राज्यों में कृषि ऋण माफी की मांग उठी है वहां केवल एक करोड छह लाख सीमांत किसान ही लाभान्वित होंगे बाकी इससे वंचित रह जाएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, यदि कर्ज माफी की मौजूदा मांग पूरी की गई तो सरकारी खजाने पर कुल तीन लाख दस हजार करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ आ जाएगा। पहले से ही पूंजी संकट से जूझ रहे सार्वजनिक बैंकों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, यह आम धारणा भी सही नहीं है कि कर्ज माफ होने से किसान आत्महत्या करना बंद कर देंगे। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि 2007 में देशभर में कुल 16,379 किसानों ने आत्महत्या की थी, जिसमें से महाराष्ट्र के 27 फीसदी किसान थे।

तीन सड़क दुर्घटना में दो मरे दो घायल

न्यायसाक्षी@रायगढ़। ग्राम मचिदा पुसौर का किशोर साह 25मई की सुबह 9 बजे मोटर सायकल से पुसौर जा रहा था जिसे ग्राम ओड़ेकेरा पुल के पास मारूति ओमनी के चालक ने एक्सीडेंट कर दिया, जिससे किशोर साहू के सिर में चोट लगने से ईलाज के दौरान रायगढ में उसकी मृत्यु हो गयी। दूसरी घटना हमीरपुर तमनार में रहने वाले अश्वनी नायक जो डोंगामोहा माईस में जेसीबी वाहन चलाता है, 7 मार्च की रात 10.30 बजे मोटर सायकल हिरो स्प्लेन्डर में ड्‌यूटी जा रहा था कि बायपास पर रात में मोटर सायकल से गिरने पर आयी चोट के कारण मौत हो गयी तीसरा मामला राजीवनगर कोतरारोड का रजनीश जायसवाल जो फल बेचने का काम करता है, कल ठेले में जामुन भरकर जिंदल फेक्ट्री की ओर बेचने गया था कि करीब 10.30 बजे श्रेष्ठा होटल के सामने एक कार चालक ने ठोंकर मारकर एक्सीडेंट कर दिया, कार को महिला चला रही थी। रजनीश जायसवाल दाहिने जांघ में सीना, हाथ पैर में चोट आयी है। कार चला रही महिला को भी चोट आयी जिसे जिंदल हास्पीटल में भर्ती कराया गया है, रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में कार चालक के विरूद्ध धारा 279,337 भादंवि दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

सरिया के त्रिवेणी संगम पोरथ में हिन्दू आस्था की नई शुरुवात अस्थि विसर्जन

न्यायसाक्षी@रायगढ़। सरिया के पास पोरथ के त्रिवेणी संगम को आज हिन्दू आस्था के क्षैत्रिय तिर्थ के रुप में विधिवत मान्यता मिल गयी और पूजा पाठ के बाद अस्थि विसर्जन केद्रं का शुभारंभ कर दिया गया इस अवसर पर सरिया सारंगढ़ रायगढ़ बरमकेला खरसिया आदि स्थानों से बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे जिसमें सभी वर्ग व समाज के लोगों की सहभागिता थी खासकर इस केंद्र की स्थापना में रायगढ़ अग्रसेन संघ व सरिया के अग्रवाल समाज की भूमिका काफी अहम रही ।अस्थि विसर्जन के लिये त्रिवेणी स्थल तक जाने नौका व घाट पर पचरी व कमरों का निर्माण कराया गया है रावण के नाना पुलस्थ ऋषि के नाम जुड़े होने से इस स्थान का अपना ही अलग महत्व रहा है कई वर्षों से यह हिन्दू आस्था का केद्रं रहा हैं और मकर संक्राति के अवसर पर गंगा के नहान का पुण्य मिलने की किदंवती प्रचलित रही हैं। वैसे भी कहा जाता है की यहां बहने वाली त्रिवेणी मां गंगा का ही रुप हैं, जिसका इतिहास व धर्मग्रंथो में भी उल्लेख मिलता है।आज यहां अस्थि केद्रं के शुंभारभ से हिन्दूओ की आस्था को नया आयाम मिलेगा और इस तीर्थ स्थली का अब लोग अधिक से अधिक लाभ उठा पायेगें। सारंगढ़ से नंदकिशोर केजडीवाल घनश्याम बंसल नत्थू गोयल व रायगढ़ से डा0 राजू अग्रवाल, मुकेश मित्तल व प्रदीप गर्ग, रमेश छपारिया, नरसिंग केडिया आदि अग्रसेन सेवा संघ के नेतृत्व में बड़ी संख्या मे लोग पोरथ पहुंचे थे जहां सरिया के किशनलाल अग्रवाल व उनकी पत्नी श्यामलता ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा पूजा पाठ सम्पन्न करा केद्रं का आंरभ किया।

विज्ञान समाचार Science News

हैकरों का दावा, नासा ने खोज निकाला है एलियन को

न्यूयॉर्क: हैकरों और ऑनलाइन कार्यकर्ताओं के एक अज्ञात समूह ने दावा किया है कि अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने परग्रहवासियों एलियन के अस्तित्व का पता लगा लिया है और जल्द ही वह इसकी घोषणा कर सकता है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है, हैकरों ने अपनी वेबसाइट पर लिखा हैए र्ञासा का कहना है कि परग्रहवासी आ रहे हैं। एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा जारी किए गए एक वीडियो में अंतरिक्ष यात्रियों और अंतरिक्ष विज्ञान में रूचि रखने वाले शौकीनों द्वारा पूर्व में परग्रहवासियों का अस्तित्व होने संबंधित बयानों का हवाला दिया गया है और समय-समय पर धरती के विभिन्न हिस्सों में परग्रहवासियों एवं उड़न तश्तरियों के दिखाई पड़ने संबंधित सबूतों को पेश किया गया है, वीडियो में कहा गया है, यह सारे प्रमाण बताते हैं कि अंतरिक्ष में ऊपर कुछ घटित होने वाला है। वेबसाइट आरटी डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, इन अज्ञात लोगों ने नासा द्वारा हाल में की गई कुछ खोजों के अलावा अप्रैल में अमेरिका की संसद को, एडवांसेस इन द सर्च फॉर लाइफ नामक शीर्षक पर नासा के एक प्रवक्ता द्वारा की गई टिप्पणियों के आधार पर ये दावे किए गए हैं, नासा में विज्ञान मिशन निदेशालय के एसोसिएट एडमिनिस्ट्रेटर थॉमस जुर्बुचेन ने कहा, नासा की हाल की प्रगतियां जैसे शनि के उपग्रह एन्सेलैडस में हाइड्रोजन की खोज और बृहस्पति के उपग्रह यूरोपा के समुद्रों से हवल टीमों के आशाजनक नतीजे, इस बात के संकेत हैं कि हम पहली बार परग्रहवासियों के अस्तित्व के प्रमाणों की खोज के पास हैं। जुर्बुचेन ने कहा परग्रहवासियों के अस्तित्व का प्रमाण खोजने के लिए पूरी दुनिया में चल रहे अन्वेषणों और अभियानों के मद्देनजर, हम इतिहास के सबसे गहन अद्वितीय खोज के बेहद करीब हैं।

न्यूज शेयर करने के बड़े प्लेटफॉर्म के रूप में उभरा वॉट्सऐप: रिपोर्ट

नई दिल्ली: चैटिंग में अपनी सफलता और लोकप्रियता के झंडे गाड़ने के बाद इंस्टैंट मैसेजिंग सर्विस वॉट्सऐप अब न्यूज शेयर करने के एक बड़े प्लेटफॉर्म के रूप में उभरा है और जाहिर तौर पर इससे उसके मालिक फेसबुक को नुकसान हो रहा है, एक नई रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। डिजिटल न्यूज रिपोर्ट 2017 के लेखकों को कहना है, हम पिछले कुछ समय से वॉट्सऐप की वृद्धि पर नजर रख रहे हैं लेकिन न्यूज के इस्तेमाल में इसकी वृद्धि में 15 फीसदी का इजाफा हुआ है। इसमें कहा गया कि सर्वे में भाग लेने वाले मलेशिया के 51 फीसदी लोगों ने कहा कि वे न्यूज शेयर करने या उस पर चर्चा करने के लिए वॉट्सऐप का इस्तेमाल करते हैं, जबकि अमेरिका में यह अनुपात केवल 3 फीसदी है। मलेशिया के अलावा ब्राजील 46 फीसदी और स्पेन 32 फीसदी सहित कई बाजारों में वॉट्सएप का इस्तेमाल समाचार जानने और साझा करने के लिए किया जा रहा है और लोग इसके लिए फेसबुक का इस्तेमाल करना छोड़ रहे हैं, शोधकर्ताओं ने पाया कि समाचार के लिए फेसबुक का प्रयोग उनके द्वारा सर्वे किए गए देशों में गिरा है। यह शोध रॉयटर्स इंस्टीट्यूट फॉर स्टडी ऑफ जर्नलिज्म के शोधकर्ताओं द्वारा किया गया था। उन्होंने यूरोप, अमेरिका और एशिया के 34 देशों के आंकड़ों का अध्ययन किया और करीब 70,000 लोग इसमें प्रतिभागी बने।

एड्स के उपचार में मददगार हो सकता है एशियाई पौधे का अर्क : अध्ययन

वाशिंगटनः आथराइटिस का परंपरागत रूप से इलाज करने के लिए एशिया में पाए जाने वाले एक औषधीय पौधे में एक प्रभावशाली एचआईवी रोधी यौगिक होता है जो वैज्ञानिकों के अनुसार एचआईवी एड्स की रोकथाम और उपचार के लिए इस्तेमाल दवा एजिडोथिमाइडीन एटीजेड से अधिक शक्तिशाली होता है। औषधीय पादप जस्टीसिया से निकलने वाले यौगिक पेंटेप्फलोरिन ए को 4500 से ज्यादा पौधों के अर्क के एचआईवी वायरस के विरुद्ध उनके प्रभाव के विश्लेषण में पहचाना गया। अमेरिका के शिकागो में यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोइस में प्रोफेसर डोएल सोएजार्टो ने 10 साल से अधिक समय पहले वियतनाम के हनोई में सीयूसी फुआंग नेशनल पार्क में पौधे की पत्तियों, तनों और जड़ों से अर्क निकाला था।

क्या प्लास्टिक की बोतल में दवाइयां दूषित होती हैं?

नई दिल्ली: केंद्र ने केंद्रीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ;आईसीएमआरद्ध से यह पता लगाने के लिए विस्तृत अध्ययन करने को कहा है कि प्लास्टिक की बोतल में तरल दवाई रखने से क्या उसमें किसी प्रकार की लीचिंग हो रही है। ढाई साल से ज्यादा वक्त पहले केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से प्रारूप निर्देश आए थे जिसमें दवाइयों को प्लास्टिक और पॉलीथीन टेरिफ्थैलेट,पीईटी, बोतलों की बजाय कांच की बोतलों में रखने की बात कही गई है। क्या होता है लीचिंग : लीचिंग वह प्रक्रिया है जिसमें बोतल में रखे जल में घुलनशील तत्व बाहर आ जाते हैं और उसमें रखी सामग्री से मिल जाते हैं। पिछले साल सरकारी अध्ययन में यह सामने आया था कि प्लास्टिक की बोतलों में रखे गए खांसी के सीरप और अन्य तरल दवाइयों में लेड सहित विषाक्त सामग्री मिली है। इसने कहा था कि ऐसी बोतलों से खतरनाक सामग्री निकलती है और ऐसी बोतलों में दवाइयों के रखने पर रोक लगाने का सुझाव दिया है।